लखपति दीदी- छत्तीसगढ़ में जीवन का परिवर्तन

चर्चा में क्यों

हाल ही में **लखपति दीदी योजना** ने छत्तीसगढ़ में महिलाओं के जीवन पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव डाला है, क्योंकि इससे उन्हें विभिन्न **स्वयं सहायता समूह (SHG)** पहलों के माध्यम से सहायता मिली है, जिससे उन्हें आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनने में मदद मिली है।

मुख्य बिंदु:

- **लखपति दीदी योजना: केंद्र सरकार** द्वारा शुरू की गई इस योजना का लक्ष्य ज़िले की 35,000 महिलाओं को लखपति बनाना है।
  - "**लखपति दीदी**" स्वयं सहायता समूह की वह सदस्य होती है, जिसने सफलतापूर्वक **एक लाख रुपए या उससे अधिक** की वार्षिक घरेलू आय प्राप्त कर ली हो।
    - यह आय कम-से-कम चार कृषि मौसमों या व्यवसाय चक्रों तक बनी रहती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि औसत मासिक आय दस हजार रुपए (10,000 रुपए) से अधिक हो।
    - इसकी शुरुआत **दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (DAY-NRLM)** द्वारा की गई थी, जिसमें प्रत्येक स्वयं सहायता समूह (SHG) परिवार को मूल्य शृंखला हस्तक्षेपों के साथ-साथ विभिन्न आजीविका गतिविधियों को अपनाने के लिये प्रोत्साहित किया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप प्रतिवर्ष 1,00,000 रुपए या उससे अधिक की स्थायी आय होती है।
  - **उद्देश्य:** इस पहल का उद्देश्य न केवल महिलाओं की आय में सुधार करके उन्हें सशक्त बनाना है, बल्कि स्थायी आजीविका प्रथाओं के माध्यम से उनके जीवन में बदलाव लाना है।
  - ये महिलाएँ अपने समुदायों में आदर्श के रूप में कार्य करती हैं और प्रभावी संसाधन प्रबंधन एवं उद्यमशीलता की शक्ति का प्रदर्शन करती हैं।
- **उपलब्धियाँ: वर्ष 2023 में लखपति दीदी योजना** की शुरुआत के बाद से, एक करोड़ महिलाओं को पहले ही लखपति दीदी बनाया जा चुका है और सरकार ने ग्रामीण सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाली 9 करोड़ महिलाओं के साथ 83 लाख SHG की सफलता को मान्यता देते हुए लखपति दीदी के लक्ष्य को 2 करोड़ से बढ़ाकर 3 करोड़ करने की घोषणा की है।
  - **लुण्ड्रा विकासखण्ड** (छत्तीसगढ़) में सकारात्मक परिवर्तन की सूचना मिली
  - **शोभा लाकड़ा का व्यक्तिगत अनुभव**
    - **समूह**: चंपा महिला स्वयं सहायता समूह
    - **गतिविधियाँ**: बकरी और भेड़ पालन
    - **लाभ**: सरकारी योजनाओं की जानकारी, आपसी सहयोग, ऋण और सालाना ₹1 लाख से अधिक की कमाई

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/lakhpati-did-transforming-lives-in-chhattisgarh